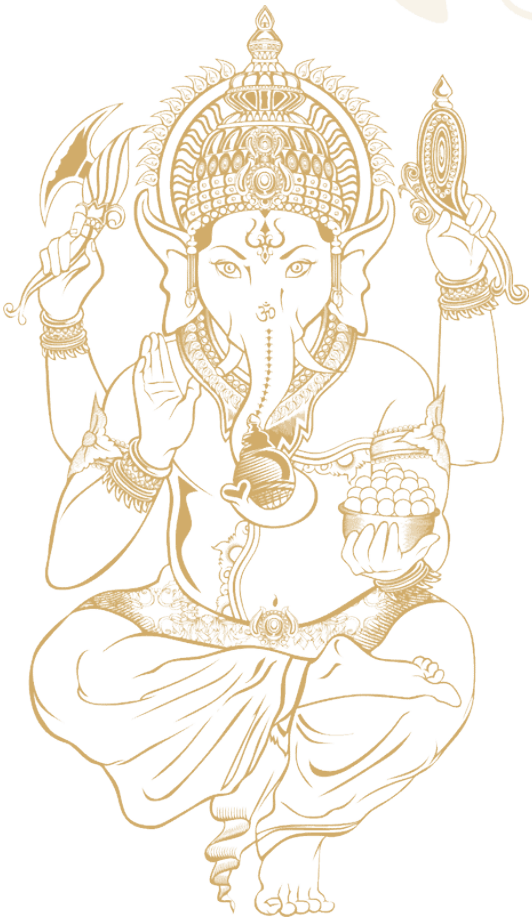

Gst

Ankita shri vastava

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119242401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119242401 Date: 26/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/12/1991	जन्म तिथि	04/10/1995
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:50:00	जन्म समय	08:35:00 घंटे
घटी 07:24:46	जन्म समय(घटी)	06:13:11 घटी
India	देश	India
Orai	स्थान	Datia
26:00:00 उत्तर	अक्षांश	25:41:00 उत्तर
79:26:00 पूर्व	रेखांश	78:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:05	सूर्योदय	06:09:29
17:23:14	सूर्यास्त	18:00:16
23:44:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:00
मकर	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मीन	राशि	मकर
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
रेवती	नक्षत्र	श्रवण
बुध	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	3
वरियान	योग	धृति
तैतिल	करण	वणिज
दो-दौलत	जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
गज	योनि	वानर
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 11वर्ष 8मा 19दि		13:11:32	मक	लग्न	तुला	18:05:08	चन्द्र 2वर्ष 8मा 19दि	
शुक्र		29:57:05	वृश्चि	सूर्य	कन्या	16:37:36	गुरु	
05/09/2010		20:48:26	मीन	चंद्र	मक	19:42:28	23/06/2023	
05/09/2030		18:29:58	वृश्चि	मंगल	तुला	24:23:36	23/06/2039	
शुक्र	04/01/2014	14:36:45	वृश्चि व	बुध व	कन्या	18:36:22	गुरु	10/08/2025
सूर्य	04/01/2015	20:32:00	सिंह	गुरु	वृश्चि	17:08:56	शनि	22/02/2028
चन्द्र	04/09/2016	17:48:02	तुला	शुक्र	कन्या	28:29:23	बुध	30/05/2030
मंगल	04/11/2017	10:25:32	मक	शनि व	कुंभ	26:05:07	केतु	06/05/2031
राहु	04/11/2020	16:12:45	धनु व	राहु व	तुला	02:47:17	शुक्र	04/01/2034
गुरु	06/07/2023	16:12:45	मिथु व	केतु व	मेष	02:47:17	सूर्य	23/10/2034
शनि	05/09/2026	19:00:10	धनु	हर्ष व	मक	02:43:43	चन्द्र	22/02/2036
बुध	06/07/2029	21:53:01	धनु	नेप व	धनु	28:58:29	मंगल	28/01/2037
केतु	05/09/2030	27:49:18	तुला	प्लूटो	वृश्चि	04:52:53	राहु	23/06/2039

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:00

लग्न-चलित

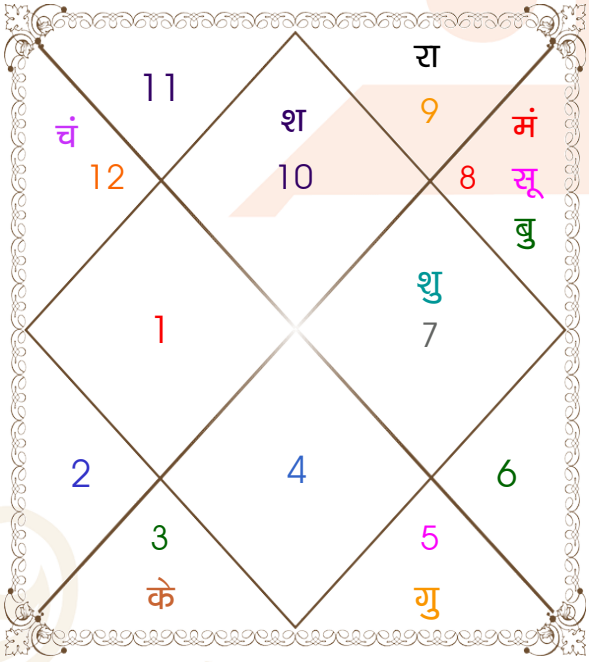

लग्न-चलित

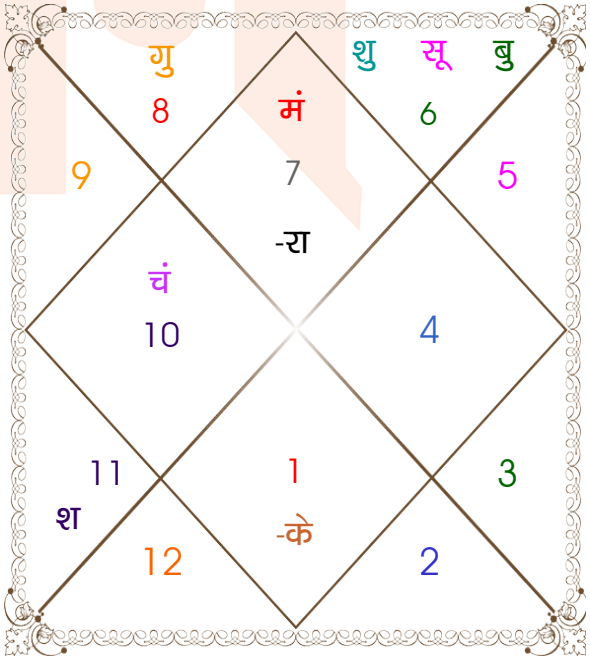

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

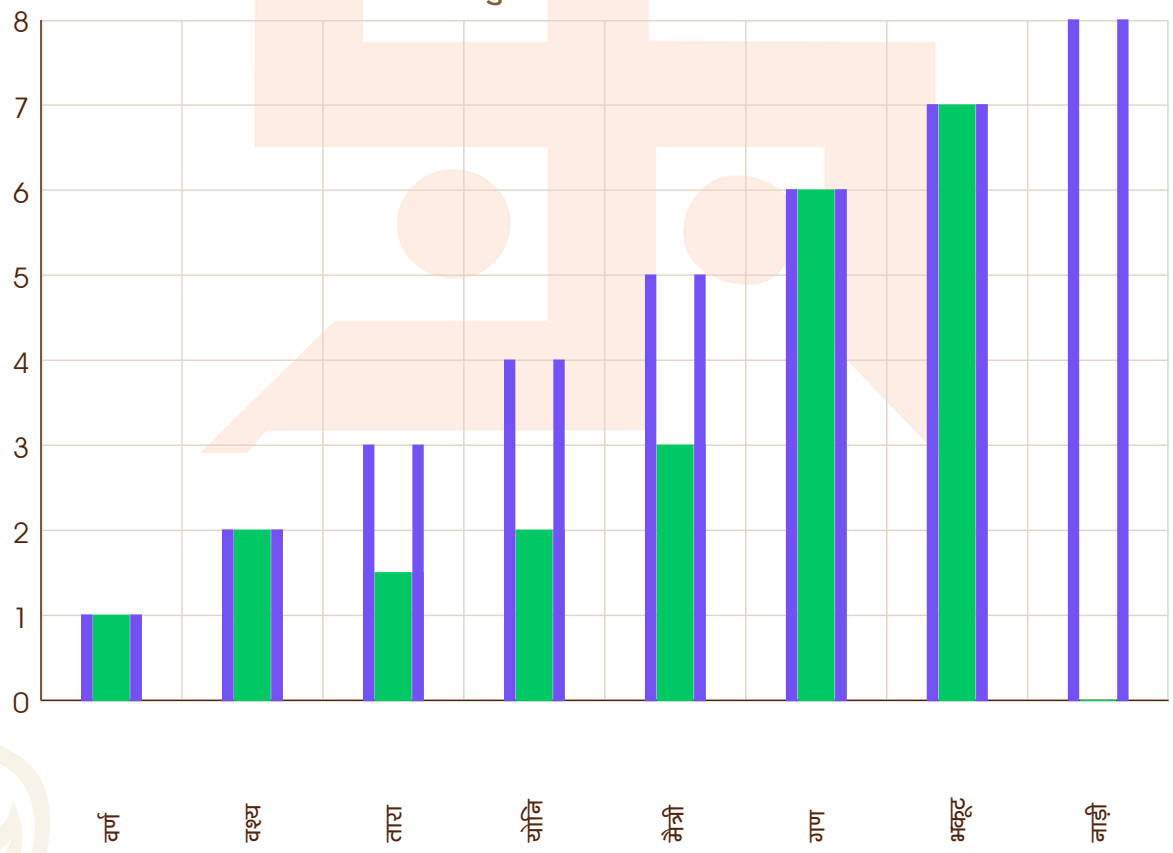

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Gst का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ।दापजंीतप अेंजंअं का नक्षत्र श्रवण है।

Gst का वर्ग सर्प है तथा ।दापजंीतप अेंजंअं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gst और ।दापजंीतप अेंजंअं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Gst मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

।दापजंीतप अेंजंअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।दापजंीतप अेंजंअं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Gst कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Gst कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gst तथा ।दापर्जीतप अेंजंअं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Gst का वर्ण ब्राह्मण तथा ।दापजं ीतप अेंजंअं का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ।दापजं ीतप अेंजंअं सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। ।दापजं ीतप अेंजंअं मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Gst का वश्य जलचर है एवं ।दापजं ीतप अेंजंअं का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

Gst की तारा साधक तथा ।दापजं ीतप अेंजंअं की तारा प्रत्यरि है। ।दापजं ीतप अेंजंअं की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Gst एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। ।दापजं ीतप अेंजंअं का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही ।दापजं ीतप अेंजंअं के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Gst अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Gst की योनि गज है तथा ।दापजं ीतप अेंजंअं की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Gst एवं ।दापजंीतप अेंजंअं दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्य म करना पड़ सकता है।

गण

Gst का गण देव तथा ।दापजंीतप अेंजंअं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Gst से ।दापजंीतप अेंजंअं की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा ।दापजंीतप अेंजंअं से Gst की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Gst परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर ।दापजंीतप अेंजंअं हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के

लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Gst की नाड़ी अन्त्य है तथा ।दापजंीतप अेंजंअं की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Gst एवं ।दापजंीतप अेंजंअं की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Gst की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा ।दापजं ीतप अेंजंअं की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं की स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे परस्पर में संबधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Gst की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा ।दापजं ीतप अेंजंअं की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे जिससे संबंधों में सुदृढ़ता रहेगी तथा दाम्पत्य जीवन भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की यत्न पूर्वक उपेक्षा करेंगे जिससे आपस में विश्वास तथा आत्मिक आकर्षण रहेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के अस्तित्व तथा स्वतंत्रता का भी सम्मान करेंगे जिससे वैवाहिक सुख की अनुकूलता रहेगी।

Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग का भाव भी विद्यमान होगा। वे एक दूसरे के लिए अत्यंत ही सौभाग्यशाली होंगे तथा आर्थिक स्थिति सर्वदा सुदृढ़ रहेगी तथा भौतिक सुखों का उपभोग करने में भी सुदृढ़ रहेंगे। इस प्रकार सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी।

Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समानताएं रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

Gst का वर्ण ब्राह्मण तथा ।दापजं ीतप अेंजंअं का वर्ण वैश्य है। अतः Gst की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो के प्रति रहेगी जबकि ।दापजं ीतप अेंजंअं धनार्जन संबधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा धन को जीवन में विशेष महत्व देगी। अतः यदा कदा ऐसी स्थिति में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं ।

धन

Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Gst एवं ।दापजं ीतप अेंजंअं की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा।

अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Gst को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Gst के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Gst को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ।दापजं ीतप अेंजंअं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ।दापजं ीतप अेंजंअं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ।दापजं ीतप अेंजंअं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Gst और ।दापजं ीतप अेंजंअं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।दापजं ीतप अेंजंअं के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही ।दापजं ीतप अेंजंअं सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में ।दापजं ीतप अेंजंअं को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि ।दापजं ीतप अेंजंअं धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से ।दापजं ीतप अेंजंअं के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही ।दापजं ीतप अेंजंअं ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Gst के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Gst अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Gst के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Gst के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।